Department of Hindi, English & Sanskrit
E-Conference on Soft Skills

दिनांक 23 मई 2023 को हिंदू कन्या महाविद्यालय जींद के भाषा विभाग (अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत) के द्वारा 'सॉफ्ट स्किल्स' विषय पर ई-कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसका विषय 'भारतीय भाषाओं में सार्वजनिक भाषण कौशल' रहा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या महोदया डॉक्टर पूनम मोर ने की। ई-कॉन्फ्रेंस की प्रमुख वक्ता परम आदर एवं सम्मान के योग्य पूर्व हिंदी वरिष्ठ एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर सुधा मल्होत्रा रही। ई-कॉन्फ्रेंस वक्ता का स्वागत हिंदी विभाग की विभागाध्यक्षा डॉक्टर सुषमा गर्ग के द्वारा किया गया। सुधा मल्होत्रा जी बहुमुखी प्रतिभा से संपन्न साहित्यकार है जिनका हिंदी साहित्य क्षेत्र में अमूल्य योगदान है। उन्होंने सॉफ्ट स्किल्स का अर्थ समझाते हुए बताया की भाषा संप्रेषण विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम है जिसका प्रयोग हम अपने सामान्य जीवन में लिखित, मौखिक, औपचारिक व अनौपचारिक रूप से करके अपने जीवन को सही दिशा प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने छात्राओं को 'संप्रेषण कौशल' के माध्यम से भाषा शुद्ध व परिमार्जित रूप को अपनाने पर बल दिया व भाषा को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने के गुण सिखाए। डॉक्टर सुधा मल्होत्रा जी ने सॉफ्ट स्किल्स के प्रयोग के माध्यम से नमस्कार व धन्यवाद जैसे शब्दों का जीवन में महत्व दर्शाया व बताया कि किस तरह सही व्यवहार करने से हम जीवन को सही दिशा प्रदान कर सकते हैं। उनके संपूर्ण व्याख्यान का सार यही रहा कि कुशल संप्रेषण ही वर्तमान समय में एक सार्थक जीवन शैली का आधार बन सकता है। इस ई-कॉन्फ्रेंस में प्राध्यापिकाओं डॉक्टर नीलम रानी, डॉक्टर विजयलक्ष्मी, श्रीमती पूनम सिंगरोहा, श्रीमती रेणु, श्रीमती मोनिका, श्रीमती नितिशा ने अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय का स्टाफ व छात्राएं उपस्थित रही, जिनकी उपस्थिति संख्या लगभग 110 रही।

Glimpses of the Event

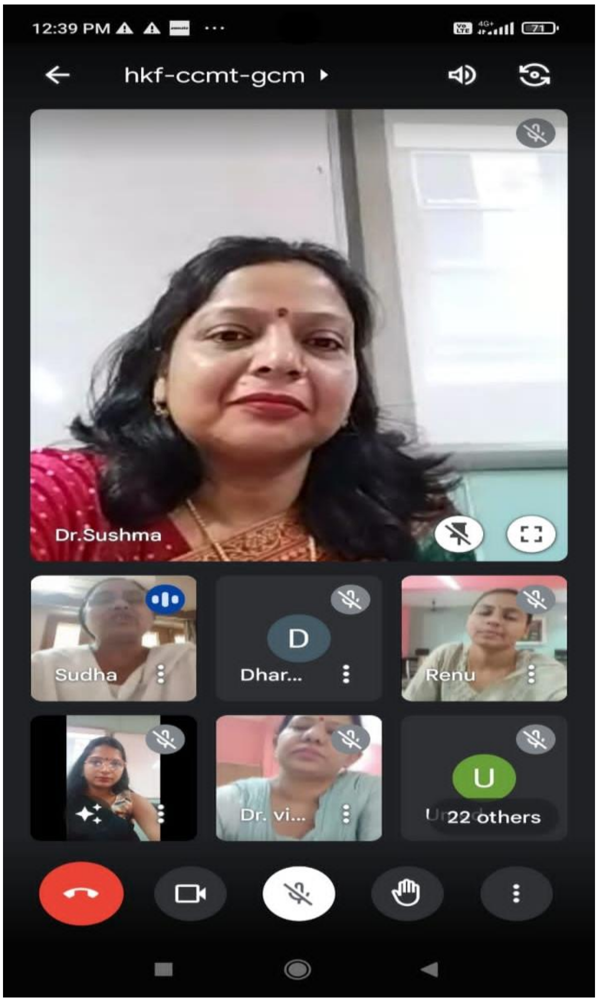

पानीपत, 24 मई, 2023 दैनिक जागरण

संक्षिप्त समाचार

भाषा विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम : डा. सुधा

जींद : हिंदू कन्या महाविद्यालय के भाषा विभाग द्वारा साफ्ट स्किल्स विषय पर ई-व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसका मुख्य विषय भारतीय भाषाओं में सार्वजनिक भाषण कौशल रहा। पूर्व हिंदी वरिष्ठ एसोसिएट प्रोफेसर डा. सुधा मल्होत्रा ने कहा कि भाषा विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम है। इसका प्रयोग हम अपने सामान्य जीवन में लिखित, मौखिक, औपचारिक व अनौपचारिक रूप से करके अपने जीवन को सही दिशा प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने भाषा को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने के गुण सिखाए। इस अवसर पर प्राचार्या डा. पूनम काजल, डा. नीलम, डा. विजयलक्ष्मी, पूनम सिंगरोहा, रेनू व मोनिका भी उपस्थित रहे। (जांस)

Scanned with CamScanner